दैनिक सामयिकी: ०५.०७.२०२१

संयुक्त जिला शिक्षा सूचना प्रणाली प्लस (UDISE+) 2019-20 रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री, रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने भारत में स्कूली शिक्षा के लिए संयुक्त जिला शिक्षा सूचना प्रणाली प्लस (UDISE+) 2019-20 से जुड़ी रिपोर्ट जारी की।
- UDISE+ 2019-20 रिपोर्ट के अनुसार, 2019-20 में स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर सकल नामांकन अनुपात में 2018-19 की तुलना में सुधार हुआ है।
- स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्र शिक्षक अनुपात (PTR) में सुधार हुआ है।

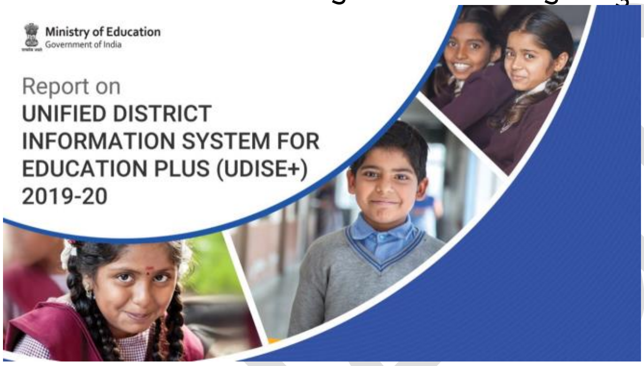

प्रमुख बिंदु

UDISE+ 2019-20 रिपोर्ट की मुख्य बातें:

- 2019-20 में पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक तक स्कूली शिक्षा में **कुल छात्रों** की संख्या 26.45 करोड़ के पार पहुंच गई। यह 2018-19 की तुलना में 42.3 लाख अधिक है।
- 2019-20 में (2018-19 से) उच्च प्राथमिक स्तर पर **सकल नामांकन अनुपात** बढ़कर 89.7% (87.7% से), प्रारंभिक स्तर पर 97.8% (96.1% से), माध्यमिक स्तर पर 77.9% (76.9% से) और उच्चमाध्यमिक स्तर पर 51.4% (50.1% से) हो गया।
- 2019-20 में 96.87 लाख शिक्षक स्कूली शिक्षा में लगे थे। यह 2018-19 की तुलना में लगभग 2.57 लाख अधिक है।
- 2019-20 में प्राथमिक के लिए **छात्र शिक्षक अनुपात (PTR)** 26.5, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक के लिए PTR 18.5 और उच्च माध्यमिक के लिए PTR 26.1 हो गया।
- 2019-20 में प्राथमिक से उच्च माध्यमिक तक **लड़कियों का नामांकन** 12.08 करोड़ से अधिक है। यह 2018-19 की तुलना में 14.08 लाख की वृद्धि है।
- 2019-20 में (2018-19 से) उच्च प्राथमिक स्तर पर **लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात** बढ़कर 90.5% (88.5% से), प्राथमिक स्तर पर 98.7% (96.7% से), माध्यमिक स्तर पर 77.8% (76.9% से) और उच्च माध्यमिक स्तर पर 52.4 प्रतिशत (50.8% से) हो गया।
- 2012-13 और 2019-20 के बीच, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक दोनों स्तरों पर **लिंग समानता सूचकांक (GPI)** में सुधार हुआ है।
- उच्चतर माध्यमिक स्तर पर **GPI में सबसे अधिक सुधार** हुआ, जो 2012-13 में 0.97 से बढ़कर 2019-20 में 1.04 हो गया।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

संयुक्त जिला शिक्षा सूचना प्रणाली प्लस (UDISE) के बारे में:

- इसकी शुरुआत 2012-13 में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के लिए DISE को एकीकृत करने से हुई थी, जो स्कूली शिक्षा पर सबसे बड़ी प्रबंधन सूचना प्रणाली में से एक है।
- UDISE+, UDISE का एक अद्यतन और उन्नत संस्करण है।

शिक्षा से संबंधित मुख्य योजनाएं:

- प्रधानमंत्री अभिनव शिक्षण कार्यक्रम (DHRUV)
- निष्ठा - स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल
- शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन और समावेश कार्यक्रम (EQUIP)
- दीक्षारम्भ
- परामर्श
- विज्ञान में परिवर्तनकारी और उन्नत अनुसंधान के लिए योजना (STARS)
- राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA)
- सामाजिक विज्ञान में प्रभावशाली नीति अनुसंधान (IMPRESS)
- स्वयं प्रभा- DTH शैक्षिक चैनल
- शिक्षुता और कौशल में उच्च शिक्षा युवाओं के लिए योजना (SHREYAS)
- राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना
- प्रौद्योगिकी के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक गठबंधन
- भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए ट्रांस-डिसिप्लिनरी रिसर्च की योजना (STRIDE)
- दीक्षा

स्रोत: PIB

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के 6 साल

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम के लॉन्च किए जाने के 6 वर्ष पूरे होने पर डिजिटल इंडिया के लाभार्थियों से बातचीत की।

Digital India
Power To Empower

प्रमुख बिंदु

प्रधानमंत्री का संबोधन:

- डिजिटल इंडिया एक मजबूत भारतीय की अभिव्यक्ति है जो 21वीं सदी में उभर रही है।
- डिजिटल सशक्तिकरण के कारण युवा आपको नई ऊंचाइयों पर ले जाते रहेंगे। इस दशक को **'भारत के टेकेड'** के रूप में बनाने में मदद करेंगे।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की विभिन्न योजनाएं:

- डिजिलॉकर
- ई कॉमन सर्विस सेंटर
- प्रधानमंत्री स्वानिधि योजना
- ई-संजीवनी योजना
- आरोग्य सेतु
- टीकाकरण के लिए COWIN ऐप
- दीक्षा ऐप
- e-NAM ऐप

नोट:

- **भारत नेट योजना** के अंतर्गत गांवों में ब्रॉडबैंड इंटरनेट लाने के लिए मिशन मोड में काम चल रहा है।
- **PM WANI** के माध्यम से एक्सेस प्वाइंट बनाए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण युवा बेहतर सेवाओं और शिक्षा के लिए हाई-स्पीड इंटरनेट से जुड़ सकें।

डिजिटल इंडिया के बारे में:

- **1 जुलाई 2015** को **भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च किया गया**, डिजिटल इंडिया भारत सरकार की अन्य प्रमुख योजनाओं के लिए सक्षम और लाभार्थी दोनों है।
- यह सुनिश्चित करता है कि ऑनलाइन बुनियादी ढांचे में सुधार और इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाकर या देश को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में डिजिटल रूप से सशक्त बनाकर सरकार की सेवाएं नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध कराई जाती हैं।

स्रोत: PIB

7वीं हिंद महासागर नौसैनिक संगोष्ठी (IONS)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, हिन्द महासागर नौसैनिक संगोष्ठी (IONS), जो एक द्विवार्षिक कार्यक्रम है, का 7वां संस्करण **ला रीयुनियन में फ्रांसीसी नौसेना** द्वारा आयोजित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- संगोष्ठी में तीन IONS कार्य समूहों जैसे मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR), समुद्री सुरक्षा

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

और सूचना साझाकरण और अंतरसंचालनीयता पर पैनल चर्चा भी हुई। नैवल मैरीटाइम फाउंडेशन (NMF) ने भी HADR पर परिचर्चा में हिस्सा लिया।

हिंद महासागर नौसैनिक संगोष्ठी (IONS) के बारे में:

- यह हिंद महासागर क्षेत्र के तटीय राज्यों के बीच द्विवार्षिक बैठकों की एक श्रृंखला है।
- यह समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने, क्षेत्रीय समुद्री मुद्दों पर चर्चा करने और सदस्य देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

सदस्य:

- IONS के **24 सदस्य** देशों को दक्षिण एशियाई, पश्चिम एशियाई, पूर्वी अफ्रीकी और दक्षिण पूर्व एशियाई और ऑस्ट्रेलियाई चार उप क्षेत्रों में बांटा गया है।
- **पर्यवेक्षक:** पर्यवेक्षक की स्थिति वाले 8 राज्य हैं।
- संगोष्ठी पहली बार **2008 में भारत के साथ** में मेजबान के रूप में आयोजित की गई थी।
- फ्रांस ने दो साल के कार्यकाल के लिए जून 2021 में अध्यक्ष पद ग्रहण किया है।

हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) से जुड़े महत्वपूर्ण समूह/पहल:

- हिंद महासागर आयोग
- हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (IORA)
- एशिया अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोर (AAGC)
- क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (SAGAR)

स्रोत: PIB

वस्तु एवं सेवा कर (GST) के 4 साल

चर्चा में क्यों?

- वित्त मंत्रालय ने टैक्स सुधार GST की चौथी वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए समय पर रिटर्न दाखिल करने और कर के नकद भुगतान के लिए 54,439 GST भुगतानकर्ताओं को प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी करने का निर्णय लिया है।
- **केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC)** इन करदाताओं को प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी करेगा।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

- इसके परिणामस्वरूप 54,439 करदाताओं की पहचान की गई है। इन करदाताओं में से 88% से अधिक सूक्ष्म (36%), लघु (41%) और मध्यम उद्यमों (11%) से हैं।
- अब तक 66 करोड़ से अधिक GST रिटर्न दाखिल किए गए हैं और कम दरों ने कर अनुपालन को बढ़ाने में मदद की है, GST राजस्व में लगातार वृद्धि हुई है और लगातार आठ महीनों तक 1 लाख करोड़ रुपये से ऊपर रहा है।

वस्तु एवं सेवा कर (GST) के बारे में:

- GST एक अप्रत्यक्ष कर (या उपभोग कर) है जिसका उपयोग भारत में वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर किया जाता है।
- यह एक व्यापक, बहुस्तरीय, गंतव्य-आधारित कर है।
- कर संग्रह के लिए वस्तुओं और सेवाओं को पांच अलग-अलग टैक्स स्लैब: 0%, 5%, 12%, 18% और 28% में बांटा गया है।
- हालांकि, पेट्रोलियम उत्पादों, मादक पेय और बिजली पर GST के तहत कर नहीं लगाया जाता है और इसके बजाय अलग-अलग राज्य सरकारों द्वारा पिछली कर प्रणाली के अनुसार अलग से कर लगाया जाता है।
- GST, **1 जुलाई, 2017** को लागू किया गया था जिसमें उत्पाद शुल्क, सेवा कर और वैट और 13 उपकर जैसे 17 स्थानीय लेवी शामिल हैं।

GST परिषद के बारे में:

- GST परिषद भारत में वस्तु एवं सेवा कर के संदर्भ के आधार पर किसी भी कानून या विनियमन को संशोधित करने, समाधान करने या प्राप्त करने के लिए एक शीर्ष सदस्य समिति है।
- GST परिषद का नेतृत्व **केंद्रीय वित्त मंत्री** करता है।

स्रोत: PIB

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

भारतीय रेलवे का पहला चलता हुआ मीठे पानी की सुरंग में एक्वेरियन

चर्चा में क्यों?

- भारतीय रेलवे ने **क्रांतिवीर संगोली रायन्ना (KSR) रेलवे स्टेशन, बेंगलुरु** (बेंगलुरु सिटी रेलवे स्टेशन) में पहला चलता हुआ मीठे पानी की सुरंग में एक्वेरियन खोला है।

प्रमुख बिंदु

- अमेज़न नदी की अवधारणा पर आधारित एक्वेरियम अपनी तरह का एक एक्वेटिक पार्क है।
- इसे **इंडियन रेलवे स्टेशन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (IRSDC)** द्वारा **HNi एक्वेटिक किंगडम के** सहयोग से **खोला गया है।**
- 12 फीट लंबा एक्वेटिक किंगडम भारतीय रेलवे का पहला पैलुडेरियम है जिसमें असंख्य वनस्पतियां और जीव हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

उड़िया कवि डॉ राजेंद्र किशोर पांडा को कुवेम्पु पुरस्कार 2020 के लिए चुना गया

चर्चा में क्यों?

- उड़िया कवि डॉ राजेंद्र किशोर पांडा को कुवेम्पु राष्ट्रीय पुरस्कार 2020 के लिए चुना गया है।

प्रमुख बिंदु

- डॉ पांडा के 16 कविता संग्रह और एक उपन्यास प्रकाशित हो चुके हैं।
- उन्हें 2010 में गंगाधर राष्ट्रीय पुरस्कार और 1985 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

कुवेम्पु राष्ट्रीय पुरस्कार के बारे में:

- 1992 में स्थापित, राष्ट्रकवि कुवेम्पु ट्रस्ट ने भारत के संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी भाषा में

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

योगदान देने वाले साहित्यकारों को पहचानने के लिए 2013 में कुवेम्पु के नाम से इस राष्ट्रीय वार्षिक साहित्यिक पुरस्कार की स्थापना की।

- इस पुरस्कार में ₹5 लाख का नकद पुरस्कार, एक रजत पदक और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

स्रोत: द हिंदू

पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

चर्चा में क्यों?

- पुष्कर सिंह धामी ने 11 सदस्यीय कैबिनेट के साथ उत्तराखंड के 11वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

प्रमुख बिंदु

- पुष्कर सिंह धामी करीब चार महीने में उत्तराखंड के तीसरे मुख्यमंत्री हैं।
- धामी ने तीरथ सिंह रावत का स्थान लिया है, जिन्होंने लगभग चार महीने के कार्यकाल के बाद हाल ही में इस्तीफा दे दिया था। मार्च 2021 में तीरथ सिंह रावत ने त्रिवेंद्र सिंह रावत की जगह ली थी।
- धामी पहाड़ी राज्य के उधम सिंह नगर जिले के खटीमा विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं।

स्रोत: द हिंदू

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now